→ प्रमुख बालुका स्तूप

① बरखान / अर्द्धचन्द्राकार बालुका स्तूप → विहीन

② अनुप्रस्थ बालुका स्तूप :→ जब दीर्घ काल तक हवा एक ही दिशा मे चलती है तो पवन की दिशा मे समकोण पर बनने वाले बालुका स्तूप।

→ क्षेत्र → बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, झुंझुनू, सूरतगढ़

③ **पैराबोलिक/परवलयकार बालुका स्तूप :→**

↳ ये बालुका स्तूप सभी मरुस्थलीय जिलो मे विद्यमान हैं

→ आकृति → महिला के हैयर पिन के समान

ऊँचाई → 10-25 मीटर

④ **सीफ** → हवा की विपरित दिशा मे बनने वाले बालुका स्तूप |

⑤ पवनानुवर्ती / रेखीय / अनुदैर्ध्य बालुका स्तूप :→

↳ पवन की दिशा के समान्तर / अनुदिशा बनने वाले बालुका स्तूप /

→ सर्वाधिक ऊँचे

→ क्षेत्र → जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर
बाड़मेर

→ ऊँचाई → 10-60 मीटर

⑥ **नेबखा** :→ झाड़ी के पीछे बनने वाले बालूका स्तूप |

⑦ **तारा बालूका स्तूप** :→

↳ निर्माण = अनियतवादी

व संश्लिष्ट पवनो से होता है

क्षेत्र → मोहनगढ़, पोकरण (जैसलमेर)

सूरतगढ़ (श्री गंगानगर)

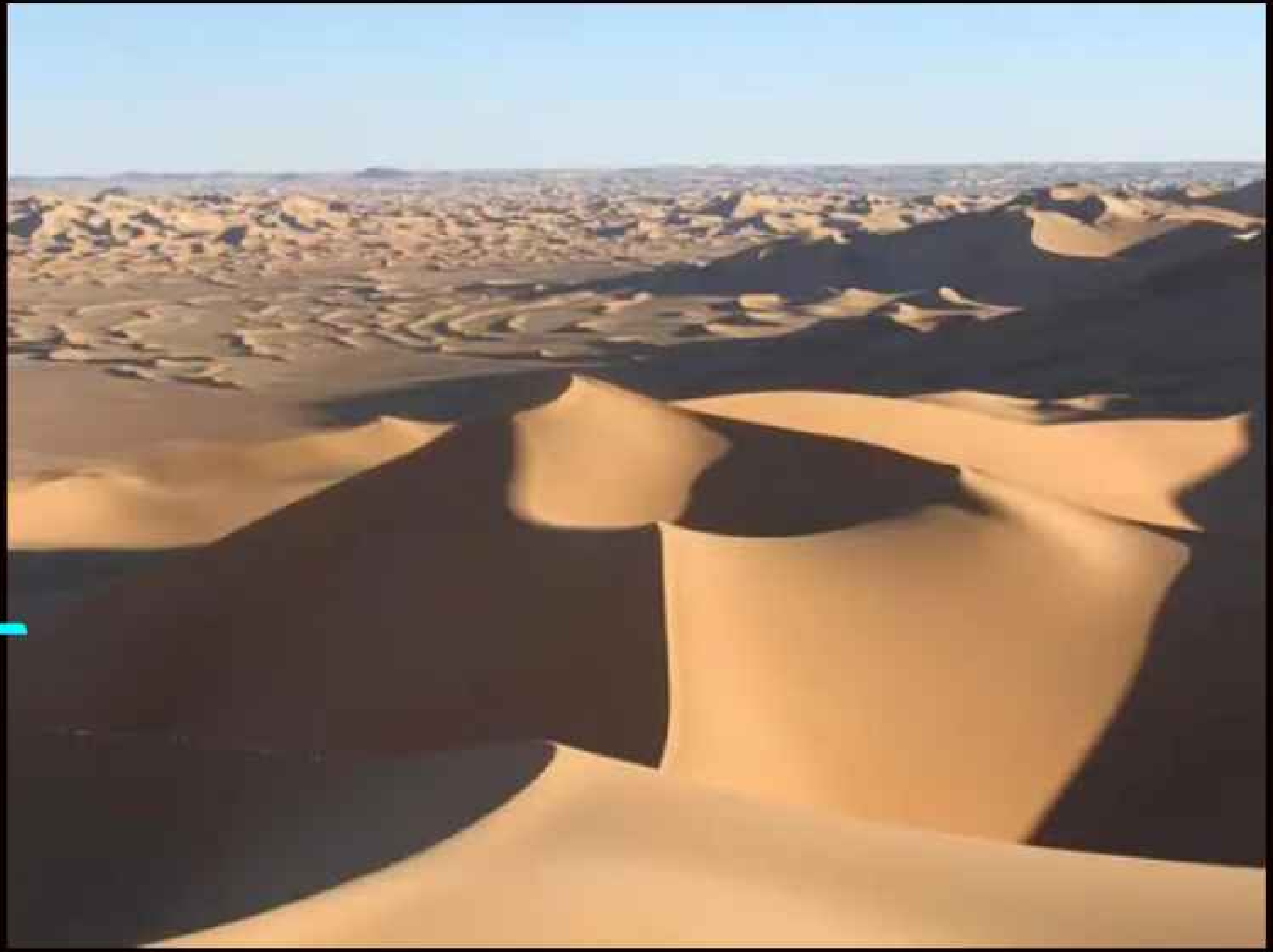

বারখানা

[illegible]

④ नेटवर्क बालुका स्तूप :→

हनुमानगढ़ से हिसार तक फैले बालुका स्तूप

⑤ अवरोधी बालुका स्तूप :→

↳ निर्माण → किसी अवरोध (रुकावट) के कारण होता है ये बालुका स्तूप जीवाश्म युक्त होते हैं।

क्षेत्र → बुढ़ा पुष्कर, कुचामन, नागपहाड़ी (अजमेर), सीकर

⑩ शाख्र काफीज :→ घास फूस या कचरे के ढेर पर बनते हैं

→ तथ्य

① बालुका स्तूपो पर पायी जाने वाली लहरदार गतिकाएं - उर्मिका

② लम्बाई के समान्तर क्रम मे स्थित बालुका स्तूपो को डोल कहते है

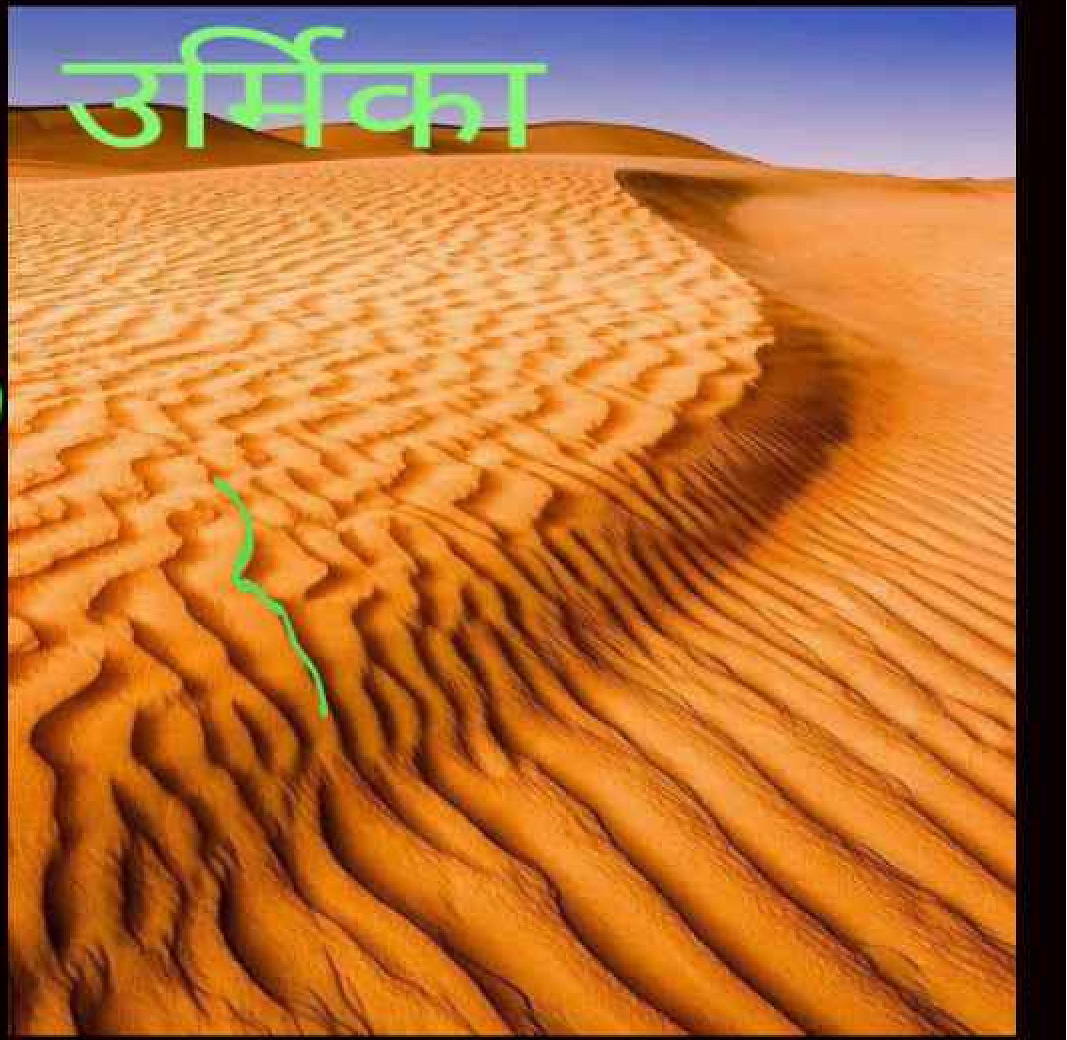

③ बालुका स्तूपों का सर्वाधिक अपरदन - मार्च से मध्य जून तक होता है।

② राजस्थान बांगर / अर्द्ध मरुस्थलीय प्रदेश :→

- → जलवायु → अर्द्धशुष्क / उपशुष्क
- → वर्षा → 25-50 सेमी
- → वनस्पति → स्टेपी तुल्य
- → इसे चार भागों में विभाजित किया गया है।

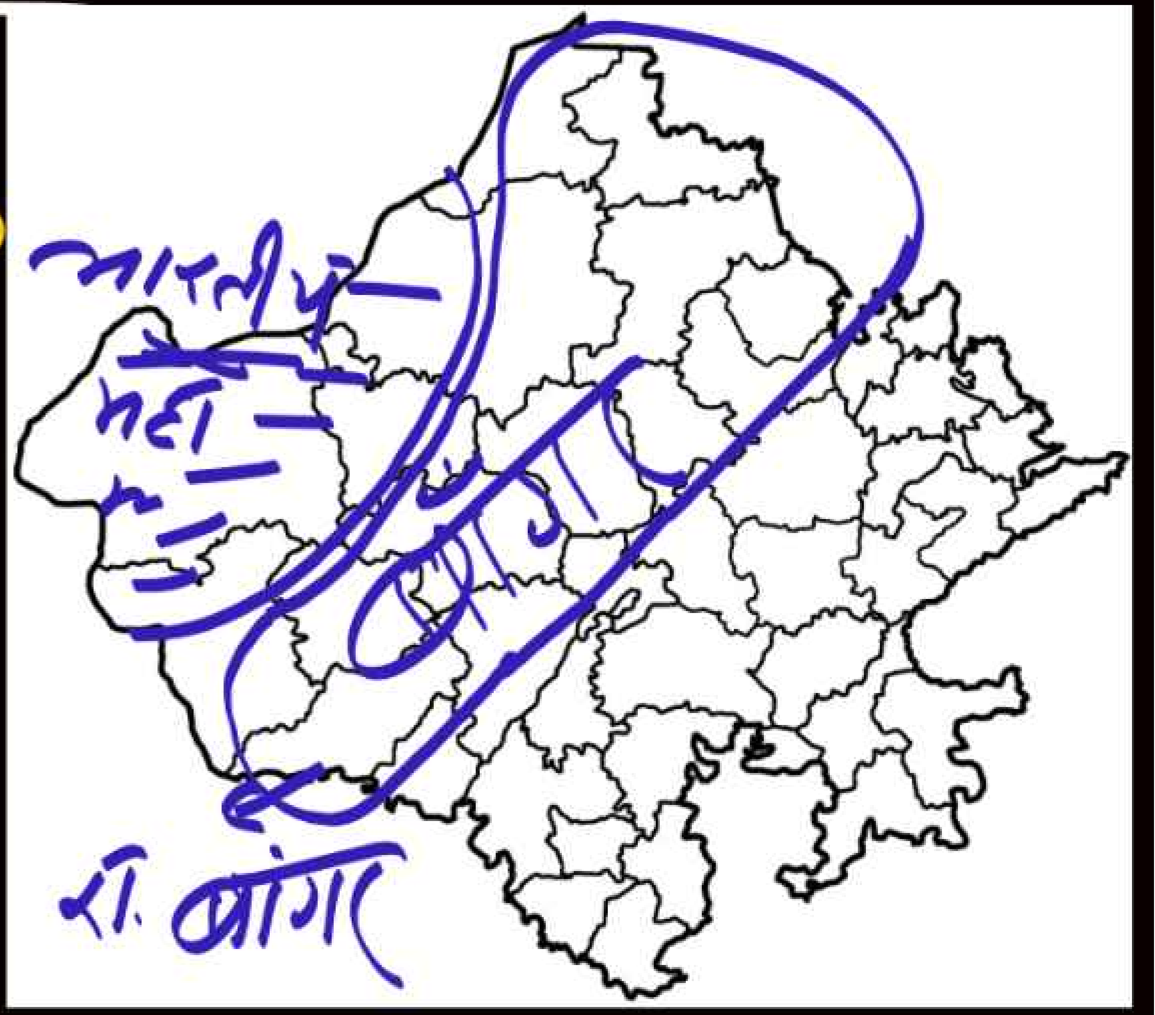
भारतीय
महा
म
बांगर
रा. बांगर

① घग्घर का मैदान :→

- → विस्तार → हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर
- → निर्माण → घग्घर नदी की जलोढ़ मिट्टी से।
- → घग्घर क्षेत्र की मिट्टी को स्थानीय भाषा में काली/कगी कहते हैं।

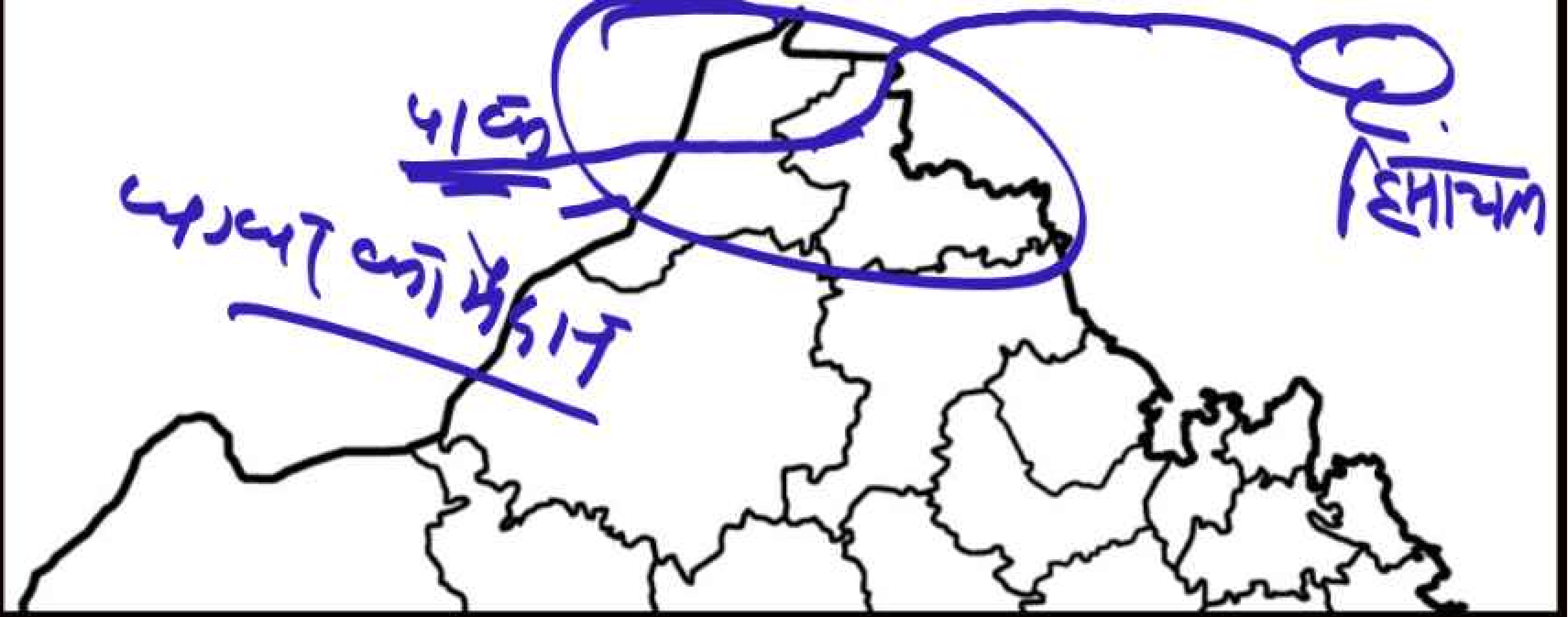
पाक
घग्घर का मैदान
हिमाचल

② शेखावाटी क्षेत्र :-

- → विस्तार = सीकर, चुरू, झुंझुनू
- → सर्वाधिक पेड़ - खेजड़ी
- → कुआँ → जोहड़
- → घास का मैदान = बीड़
- → प्रमुख नदी = कांतली

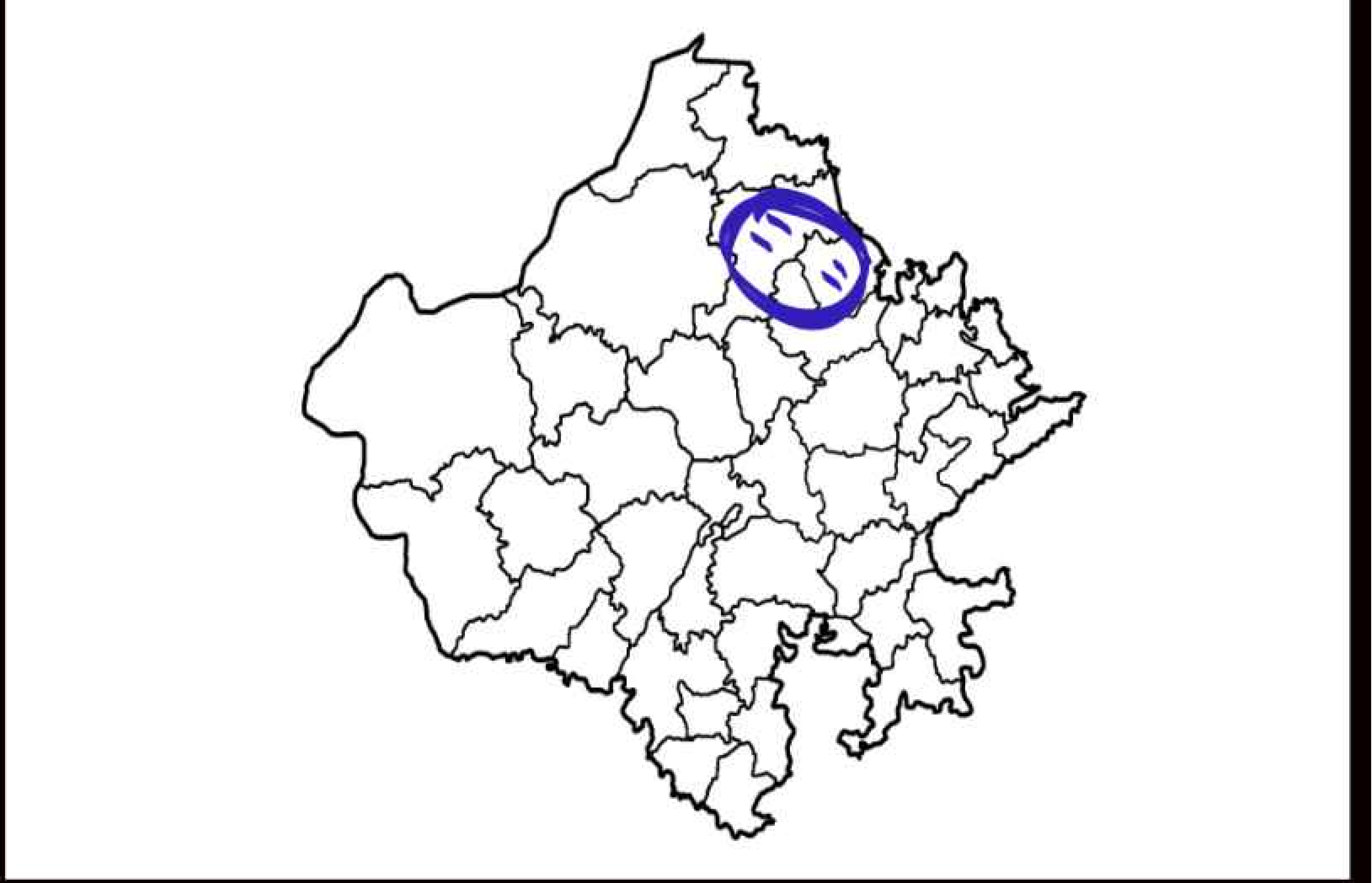

③ नागौर-जोधपुर का उच्च लवणीय क्षेत्र :→

→ विस्तार → नागौर, जोधपुर, डीडवाना-कुचामन, ब्यावर, पाली

→ इसकी तीन श्रेणीयां है

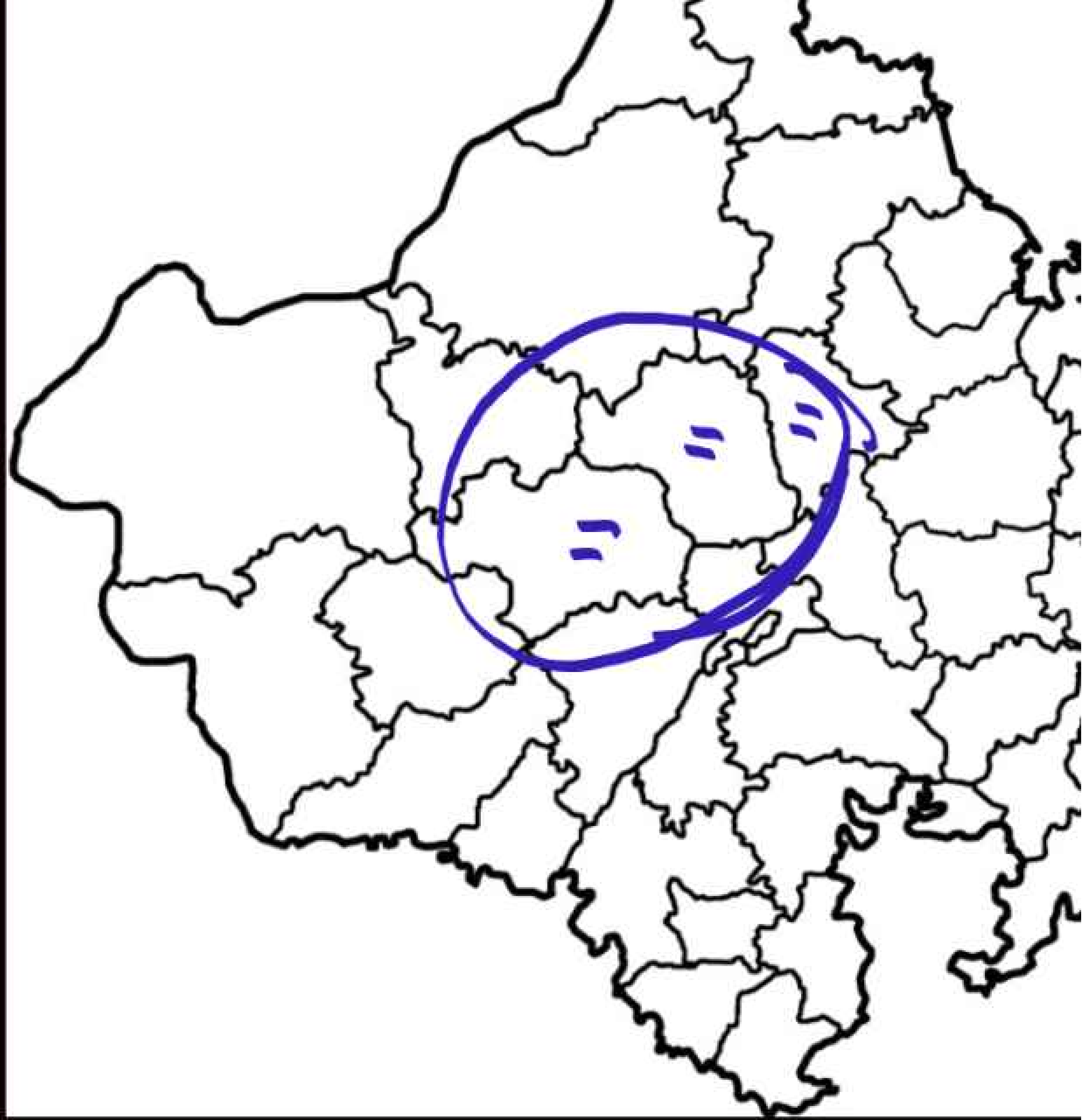Ⓐ जायल श्रेणी